>

Title: Need to protect the tigers in the Tadoba Tiger Reserve Forest, Chandrapur.

श्री दत्ता मेघे (वर्धा): मैं सरकार का ध्यान इस बात की ओर दिलाना चाहता हूं कि विदर्भ के चंद्रपुर जिले में नागपुर से 180 कि.मी. दूरी पर ताडोबा टाइगर रिजर्व जंगल है, ताडोबा जंगल देश का एक प्रमुख टाइगर रिजर्व माना जाता है और महाराष्ट्र का सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व है। 623 स्के. किलोमीटर में फैले इस जंगल में सागवान और बांस का घना जंगल है। ताडोबा टाइगर रिजर्व में लगभग 65 से 70 बाघ है। इसी कारण विश्वभर के सैलानियों का यह आकर्षण का केन्द्र है। यहां की सुरक्षा भी चौरचौबंद मानी जाती है किंतु पिछले एक वर्ष से यहां आठ बाघों की मृत्यु हुई है। बाघों की मृत्यु की वजह अभी तक उजागर नहीं हुई है। यह मनुष्य और बाघों का संघर्ष है या इसके पीछे किसी अंतरराष्ट्रीय गिरोह का हाथ है। 27 अक्तूबर को हुई बाघिन की मृत्यु ने ताडोबा टाइगर रिजर्व की सुरक्षा ने गंभीर सवाल खड़े किए हैं। बाघिन की मृत्यु के जो कारण दिए जा रहे हैं उस पर पर्यावरणविद विश्वास करने को तैयार नहीं हैं। कुछ लोगों का मानना है कि बाघिन को जहर दिया गया था और यह किसी गिरोह का काम है। महाराष्ट्र में इस वर्ष 13 बाघों की मृत्यु हुई है जिसमें पांच बाघों की मृत्यु अवैध शिकार से हुई है।

मेरा सरकार से निवेदन है कि ताडोबा टाइगर रिजर्व को बचाने के लिए समय रहते ही कदम उठाने की जरूरत है। मुझे विश्वास है कि सरकार इन 13 बाघों की मृत्यु को गंभीरता से लेगी और जल्द से जल्द गुनाहगार और 13 बाघों की मृत्यु के कारण ढूंढ लेगी।